Food chain.

- एक जीव से दूसरे जीव में ऊर्जा पदार्थ का स्थानान्तरण खाद्य श्रृंखला या आहार श्रृंखला कहलाता है।

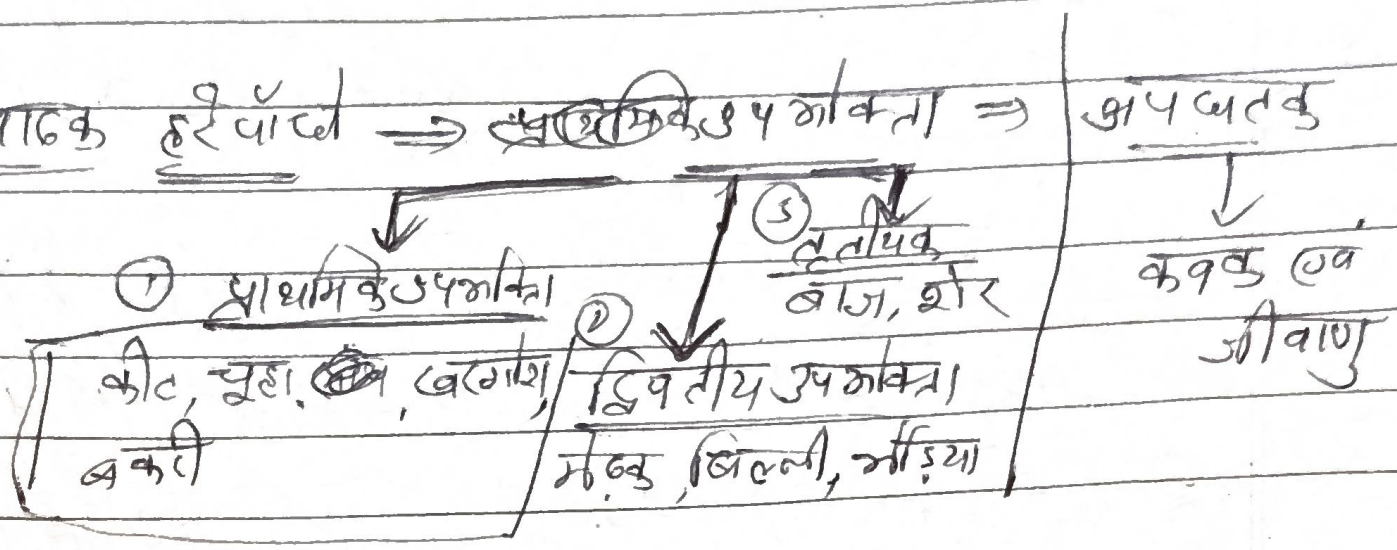

- खाद्य श्रृंखला के क्रम में खाद्य ऊर्जा का प्रवाह एक ही दिशा में होता है।
- खाद्य श्रृंखला का निर्माण उत्पादक उपभोक्ता एवं अपघटक आपस में मिलकर करते हैं।

खाद्य श्रृंखलाओं के प्रकार -

① तीन चरणों वाली खाद्य श्रृंखला -

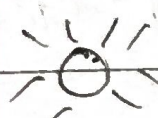

→ घास → हिरण → शेर ।।

② चार चरणों वाली खाद्य श्रृंखला

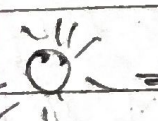

→ घास → कीट पतंग → मेंढक → बाज ।

③ पांच चरणों वाली खाद्य श्रृंखला

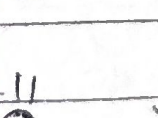

→ घास → कीट पतंग → मेंढक → सांप → शेर ।

विभिन्न पारिस्थितिक तंत्र में खाद्य श्रृंखलाएं ।

घास स्थल → कीड़े-मकोड़े → चिड़िया → बाज
उत्पादक — प्राथमिक उपभोक्ता — द्वितीयक उपभोक्ता — तृतीयक उपभोक्ता

वन में = घास → खरगोश → भेड़िया → शेर ·
उत्पादक

तालाब में = शैवाल → जलीय पिस्सू → मछली → बगुला
उत्पादक — प्रा० उपभोक्ता — द्वि० उपभोक्ता — तृतीयक उपभोक्ता

* जलीय पारिस्थितिक तंत्र में प्राथमिक उत्पादकों को फाइटोप्लैंक्टॉन कहा जाता है।

खाद्य जाल food web

• अनेक खाद्य श्रृंखलाओं के पारस्परिक संबंध को खाद्य जाल कहते हैं।

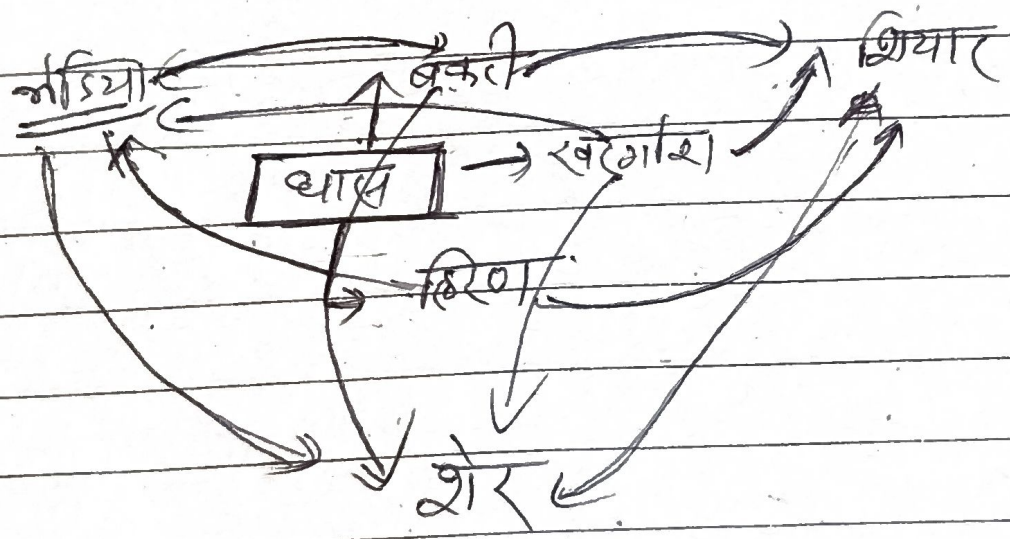

* खाद्य जाल में ऊर्जा का प्रवाह एक दिशा में होते हुए भी कई पथों से होकर होता है।
* पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता एवं संतुलन बनाए रखने में खाद्य जालों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
* यह एक जटिल संरचना है।